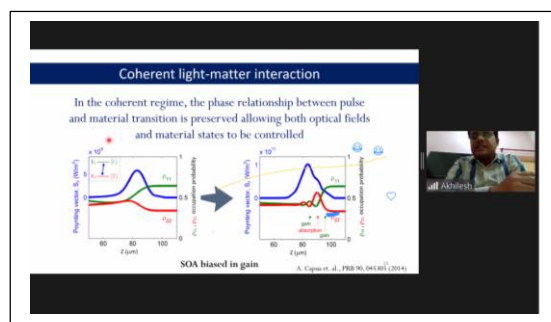
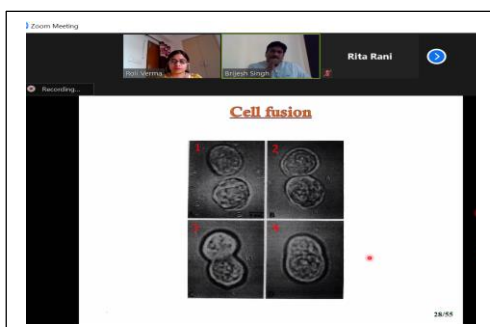
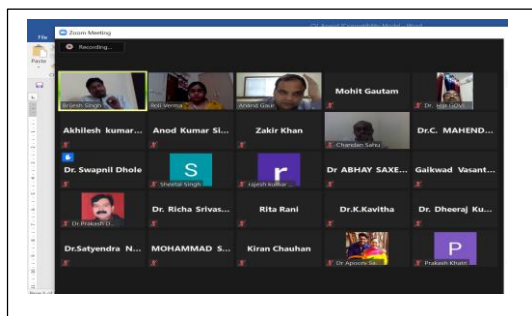
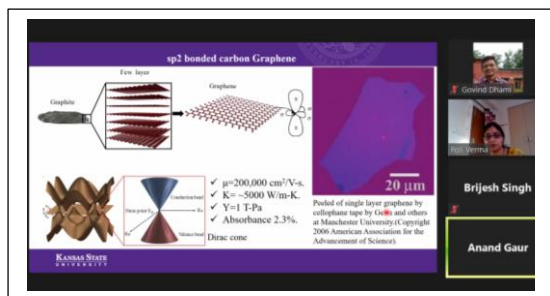




University Of Lucknow

Three day's webinar series on "Popular Topics in Physics" 17-19 May 2020

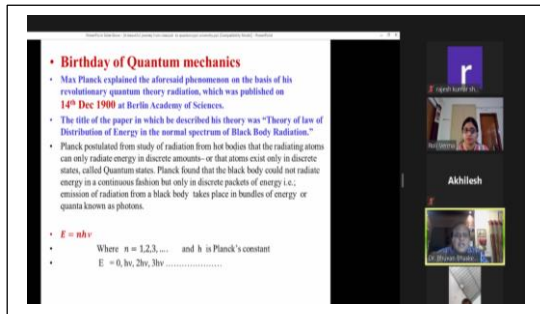
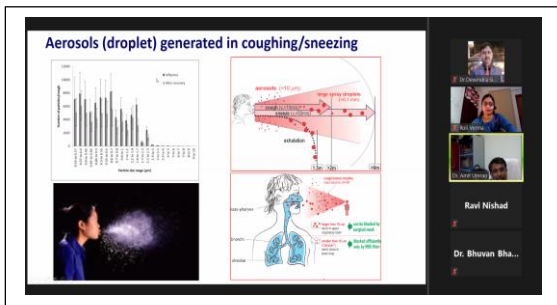
Three day webinar series were organised by Department of Physics, University of Lucknow, initiated by Assistant professor Dr. Roli Verma and supported by Head of Physics Department Prof. Poonam Tandon. The theme of this webinar was student centric fundamental and application knowledge of various topics in Physics. This webinar witnessed over 300 participants including faculties and students from different parts of India and other countries; Malaysia, Korea, Taiwan, Nepal. This webinar addressed by Prof. Poonam Tandon, she welcomed speakers and told about the importance and role of University of Lucknow about the online teaching and webinars in this lockdown period. The e-meetings and sharing knowledge is the need of this time to keep active the academicians.



Day 1 of the webinar had two lectures, first by Dr. Brijesh Kumar Singh from Department of Physics, Central University of Rajasthan, India. He talked about the journey of 2018 Noble Prize in Physics and also brief about the facts of Noble Prize till date. Noble Prize 2018 is jointly received by Optical tweezers and its applications and generation of high intensity Ultra Short optical pulses. He explained how Optical tweezer can be used in biomedical application in



manipulation of chromosomes, organ cell, bacteria and DNA stretching. Second speaker, Dr. Anand P. S. Gaur from Kansas State University USA, gave details of how the graphene and other 2D materials can be used for the electronic device designing with the layered structure and Raman Spectroscopy.



Day 2 of the webinar, Dr. Akhilesh Kumar Mishra, from Physics Department, IIT Roorkee talked about “A solution looking from a problem: the invention of Laser.” Dr. Akhilesh discussed various phenomena related with light and laser. Dr. Bhuvan Bhaskar Srivastava shared his view upon the Physics journey from classical mechanics to quantum mechanics.

Day 3 of the webinar continued with one lecture by Dr. Amit Kumar, from radiological and environmental safety division, IGCAR Kalpakkam. He said how the sneezing and coughing created the different sizes of Aerosol that become cause of spreading of any contagious diseases. He also discussed about the types of masks and their roles to prevent the spread of different size of contagious droplets and aerosol.

बेबीनार में उपयोगी व्याख्यान



डॉ. दिलीप अग्निहोत्री प्रत्येक विषय के कतिपय परिपूरक टॉपिक होते हैं। इन पर विशेषज्ञों के बीच परिचर्चा चलती है। लोक ज्ञान में यह अर्थोत्तर के रूप में संचालित हो रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग ने बेबीनार सीरीज परिपूरक टॉपिक्स इन फिजिक्स का आयोजन किया। इसमें भारत सहित कई देशों के तीन सौ लोग शामिल हुए। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. अजेश कुमार सिंह ने दो वर्ष पूर्व के भौतिकी के नोबल प्रज्ञा का उल्लेख किया। बताया कि क्विंटम सह-ऑप्टिकल-नैटवर्क को डीएनए स्ट्रैचिंग, क्रोमोसोमस व् ऑर्गेन सेल्स बैक्टरीया के मैनीपुलेशन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। केन्सास स्टेट विश्वविद्यालय अमेरिका के डॉ.

अलका व्याख्यान माला का भी आयोजन किया गया। इसमें डॉ. अनिल भारद्वाज प्रो. केहर सिंह, वाइस चांसलर प्रो. आलोक राय का व्याख्यान हुआ था। डॉ. भारद्वाज ने चंद्रयान चर्चे में बताया था। हमने मंगलयान और चंद्रयान टू पीजे हैं। भारत अपने पहले प्रयास में सफलता पूर्वक मंगल ग्रह पर परिक्रमा लगाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रयान टू भी तब तक लॉन्च किया गया था। तब से इन्क्यूबेटेड भेज रहा है। शीघ्र ही हम सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एएल बन लॉन्च करेंगे। भौतिकी में इसी अन्य ग्रहों का भी पता लगाने की योजना बना रहा है। इससे पश्चात व्याख्यान माला में प्रोफेसर एनओपी सिंह प्रो. आर एम मेहरा, प्रो. उषा मालवीय, डॉ. ए. के. श्रीवास्तव, डॉ. ओ. नूज हल एफ. ओ. जालानी, डॉ. ओ. चंचल जीवरी ने सम्मेलित किया। भारत के अनेक मंदिरों जैसे छव्वा मंदिर, कुद्रेश्वर मंदिर और हनुमंदी मंदिर में प्रकाश के सिद्धांत को श्रवला स्थापत्यकला द्वारा दर्शाया गया है। भौतिक विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय की विभागध्यक्ष प्रो. पूनम टण्डन, प्रो. अंजलि श्रीवास्तव, प्रो. राजेश मुक्ता के प्रयासों से यह प्रकाश दिवस कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ था।

<https://indiasamachar24.com/3373/>